मौजूद रहे। (जासं) | प्रतियोगिता के परिणाम के बाद केंद्रीय प्रदान किए। इस दौरान विद्यालय के बीरपुर के छात्र पीयूष ने विचार रखे। नेगी, संजय भंडारी आदि मौजूद रहे।

सरकारी विद्यालयों को गोद लेगा उत्तराखंड तकनीकी विवि

अभिनव पहल

- सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास को यूटीयू ने शुरू की एडाप्ट ए स्कूल योजना
- यूटीयू के परिसर संस्थान के साथ संबद्ध 80 कालेज दो से पांच सरकारी विद्यालयों को लेंगे गोद, देंगे भौतिक व प्रयोगात्मक ज्ञान

छात्रों को इन विषयों का दिया जाएगा ज्ञान

गोद लिए जाने वाले राजकीय प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को अंतर विज्ञानिक चिंतन, उच्च शिक्षा में बेहतर संभावनाओं की तलाश, सूचना प्रौद्योगिकी व आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव, कंप्यूटर नालेज, करियर संभावनाएं, स्वास्थ्य के साथ कानूनी जानकारी सहित अनेक विषयों में जागरूक किया जाएगा। समय-समय पर विवि की ओर से समीक्षा की जाएगी। साथ ही विवि समस्त गतिविधियों को विवि के पोर्टल पर साझा करेगा।

जागरण संवाददाता, देहरादून : प्रदेश के राजकीय प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) ने एडाप्ट ए स्कूल योजना शुरू की है। इसके तहत परिसर संस्थान के अलावा विवि से संबद्ध 80 इंजीनियरिंग कालेज दो से पांच सरकारी विद्यालयों को गोद लेंगे। गोद लिए गए सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में तकनीकी संसाधन के अलावा भौतिक और प्रयोगात्मक शिक्षा प्रदान की जाएगी, ताकि सरकारी विद्यालयों के छात्र आधुनिक शिक्षा में अपग्रेड हो सकें। यूटीयू से संबद्ध समस्त संस्थानों की फैकल्टी व छात्र-छात्राएं इन विद्यालयों में अवकाश के दिन जाकर छात्रों को पढ़ाएंगे।

यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह के अनुसार, तकनीकी विवि के छात्रों में समाज के प्रति जिम्मेदारी का एहसास कराने के लिए इस योजना की शुरुआत की गई है। इससे सरकारी स्कूलों के बच्चों को भी लाभ मिलेगा। पहले चरण में विवि से संबद्ध एक संस्थान कम से कम दो और अधिकतम पांच विद्यालयों को गोद लेगा। इनमें गढ़वाल और कुमाऊं मंडल के सभी सरकारी विद्यालयों का विवि से संबद्ध संस्थान स्वयं चयन करेंगे और इसकी जानकारी विवि के कुलसचिव को देंगे।

स्कूलों को मिलेंगे कंप्यूटर व प्रोजेक्टर: कुलपति ओंकार सिंह ने कहा कि चयनित राजकीय विद्यालयों में संसाधन एवं कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, डिस्प्ले यूनिट एवं अन्य गतिविधियों के लिए स्कूल में पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।